

[Shri K. C. Pant]

other Ministries and also the Election Commission. These consultations are under way. But I am afraid it will take some more time before the Bill could be got ready. I would, however, like to assure the House that we shall bring forward the Bill in the next session.

SHRI S. KUNDU: Mr. Speaker, Sir . . .

MR. SPEAKER: Prof. V. K. R. V. Rao.

11.44 hrs.

STATEMENT CLARIFYING INFORMATION GIVEN RE. WEST BENGAL TEACHERS' SALARIES

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V. RAO): In paragraph 7 of my statement made in the House on the 10th August, 1970, I had stated as follows:—

“As for grant of financial assistance to colleges for meeting the cost in respect of teachers in the age group 60—65, the State Government has found it difficult to undertake the obligation, in view of the fact that the U. G. C. has not agreed to give any assistance for the implementation of the revised salary scales approved by it during the Second and the Third Plans.”

The correct position is that on learning that the Government of West Bengal had not agreed to make grants to colleges for teachers in the age group 60—65 to implement the U.G.C. revised salary scales the U. G. C. wrote to the University of Calcutta (in 1959) expressing its willingness to give to the University its share of the cost (50 per cent in the case of boys' colleges and 75 per cent in the case of girls' colleges) provided either the University or the colleges concerned met the rest of the expenditure in-

involved in implementing the revised salary scales approved by the U. G. C. While the Calcutta University found itself unable to match the grants offered by the U.G.C., a few colleges fulfilled the condition laid down by the U.G.C. and availed themselves of the assistance offered by it.

The State Government has now notified its acceptance of the application of the integrated scale of Rs. 300—800 to Lecturers in this category w.e.f. 1-4-1969 and steps are being taken to fix the salaries of the teachers concerned in the new integrated scale.

SHRI JYOTIRMOY BASU (Diamond Harbour) rose.—

MR. SPEAKER: Will you please sit down or not? You are interrupting the proceedings continuously.

MR. V. C. SHUKLA:

11.46 hrs.

STATEMENT CLARIFYING INFORMATION GIVEN RE. LONDON BRANCH OF CENTRAL BANK OF INDIA

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सिद्धाचरण शुक्ल) : महोदय, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के लन्दन-स्थित कार्यालय में कथित घोषाघड़ी के सम्बन्ध में ध्यान-आकर्षण सूचना के उत्तर में 19 मई, 1970 को वित्त मंत्रालय के तत्कालीन राज्य मंत्री द्वारा इस सभा में एक वक्तव्य दिया गया था। उस समय यह बताया गया था कि सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की लन्दन-स्थित शाखा के मैनेजर श्री सामी जे० पटेल को 26 मार्च, 1970 को उनके कार्य-भार से मुक्त कर दिया गया था। इस सभा में 3 अगस्त, को अतारंकित प्रश्न संख्या 1058 के उत्तर में भी इसी तारीख का उल्लेख किया गया था। यह तारीख सरकार को इस समय उपलब्ध सूचना के आधार पर दी

गयी थी। सेंट्रल बैंक आफ इंडिया ने अब यह सूचित किया है कि श्री सामी जे० पटेल को 31 मार्च, 1970 को कारबार की समाप्ति के समय, उन के कार्य-भार से मुक्त किया गया था। मैं यह वक्तव्य अभिलेख में शुद्धि करने के लिये दे रहा हूँ। पहले के वक्तव्य में अशुद्धि के लिए मुझे खेद है।

11.47 hrs.

CRIMINAL LAW (SECOND AMENDMENT) BILL

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAM NIWAS MIRDHA): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Indian Penal Code and the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967. (Interruptions).

अध्यक्ष महोदय : आप लोग मेरी बात थोड़ी सुन लीजिए। पहले मोशन मूव होता है उसके बाद ही यह आता है। जब चीज ही कुछ नहीं है हाउस के सामने तो आप क्यों खड़े हैं। कुछ थोड़ा सा प्रोसीजर फालो करिए। मैं किसी तरह कोई रेफ्लेक्शन नहीं करता हूँ लेकिन जितने बाहर से आते हैं वह मुझ से पूछते हैं कि यह क्या होता है? मैं भी बाहर गया हूँ और मैंने देखा है वहाँ कभी ऐसा नहीं होता....

एक माननीय सदस्य : आप जापान गए हैं?

अध्यक्ष महोदय : हाँ, मैं गया हूँ और आप जैसे बहुत कम हैं वहाँ। मेरे से भी लोग बड़ी हमदर्दी करते हैं और आप से भी करते होंगे। लेकिन कुछ इसको पार्लियामेंट रहने दीजिए। इसकी शकल क्यों बिगाड़ रहे हैं आप?

SHRI M. L. SONDHI (New Delhi): No such Parliament has such a resourceful Speaker, Sir.

अध्यक्ष महोदय : स्पीकर का तो यह है कि किसी दिन हाथ जोड़ कर मैं यह स्पीकरी भी छोड़ जाऊँगा और मेम्बरी भी छोड़ जाऊँगा, ऐसी मेरे दिल में आती है..

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : आप मत जाइए। आप कहिए तो इनको निकाल देंगे हम।

SHRI RANDHIR SINGH (Rohtak): We appreciate your feelings, Sir.

अध्यक्ष महोदय : अब मिर्धा साहब ने जो यह मोशन मूव किया है इस पर कंत्रलाल गुप्त भी कहना चाहते हैं, प्रकाश वीर शास्त्री भी कहना चाहते हैं और अनेक मेम्बर हैं जो कहना चाहते हैं। तो जो भी कहना है वह कह लें।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (बलरामपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आप की अनुमति से इस पर व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहूँगा।

श्री राम निवास मिर्धा जो विधेयक सदन के सामने पेश करना चाहते हैं मैं उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। सामान्य रीति से जब विधेयक पेश किया जाता है तो उसका विरोध नहीं होता है। लेकिन यह विधेयक जिस प्रकार का है उसमें उस के सिवाय हमारे सामने कोई चारा नहीं है कि हम इस स्थिति में और इसी स्तर पर उसका विरोध करें। मेरे विरोध के कारण "संवधानिक है, प्रक्रिया संबंधी है और राजनैतिक भी है। मेरा निवेदन है कि यह विधेयक असंवधानिक है, लोकतंत्र विरोधी है, जनाधिकारों पर कुठाराघात करने वाला है और प्रतिपक्ष को कुचलने के लिए सत्ता के हाथ में असीमित